जिला प्रशासन ने एक्सप्रेस वे के लिए मांगा भू राजस्व मानचित्र

पानीपत एक्सप्रेस वे 50 गांवों से गुजरना संभव

■ अभिमन्यु चौधरी

■ डीपीआर बनाने के लिए तहसील सदर और कैंपियरगंज के गांवों का हुआ है चयन

गोरखपुर। गोरखपुर पानीपत एक्सप्रेस वे को जिले के 50 गांवों से होकर गुजरने की संभावना है। एक्सप्रेस वे के लिए तहसील सदर और कैंपियरगंज के गांवों में सर्वे किया गया है। अब एनएनएआई ने जिला प्रशासन से संबंधित गांवों का भू राजस्व मानचित्र मांगा है। इन गांवों की जमीनों के अनुसार तय होगा कि इधर से एक्सप्रेस वे बनाने पर कितनी लागत आएगी।

तहसील सदर के 31 और कैंपियरगंज के 19 गांवों से होते हुए पानीपत एक्सप्रेस वे बनाया जाना है। दोनों तहसीलों के भू राजस्व मानचित्र में पता चलेगा कि जमीन की प्रकृति कैसी है, जिधर से एक्सप्रेस वे बनाने की योजना हैं, उधर कितना कृषि क्षेत्र है और कितनी आबादी है। जमीन अधिग्रहण की कीमत पता चलेगी, उसके बाद एलाइंमेंट तय करके डीपीआर बनाया जाएगा।

यदि इस एलाइंमेंट के डीपीआर को मंजूरी मिली तो जगदीशपुर जंगल कौड़िया फोरलेन से एक्सप्रेस का जुड़ाव होगा। वहां से कुशीनगर और बिहार से आने-जाने में सुविधा मिलेगी। वहीं एक्सप्रेस वे नयनसर के पास गुजरेगा, वहां से गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस पर आना-जाना आसान होगा। एक्सप्रेस वे को गोरखपुर के भटहट क्षेत्र से पिपराइच और पीपीगंज को जोड़ते हुए कैंपियरगंज की अन्य गांवों की ओर ले जाने की योजना है। एक्सप्रेस वे को सोनौली-गोरखपुर हाईवे क्रास करते हुए जाने की संभावना है।

नियम के अनुसार डीपीआर बनाने वाली कंसल्टेंसी एजेंसी एनएचएआई हेड क्वार्टर को तीन एलाइंमेंट का डीपीआर प्रस्तुत करेगी, जिसमें लागत, दूरी और सुविधा के अनुसार एक डीपीआर को मंजूर किया जाएगा। एनएचएआई अधिकारियों के अनुसार यह एलाइंमेंट गोरखपुर के लिए ज्यादा उपयोगी साबित हो सकता है।

तहसील सदर के गांव

बढ़नी, सियारामपुर, महराजगंज, ठाकुरपुर नंबर एक व दो, जंगल डुमरी नंबर एक, खुटहन खास, जंगल अयोध्या प्रसाद, खुटहन खास, एकला नंबर दो, साल्हपुर औरंगाबाद, एकला नंबर दो, अशरफपुर, मेहदिया, रसूलपुर गोनिया, रामपुर बुजुर्ग, जमुनिया, रामपुर थवईपार, आराजी बरवा, तेंदुआ, गंभीरपुर कम्हरिया, नबीपुर, परशुरामपुर, सोनराइच, सिधावल, पिपराइच, हरसेवकपुर, जोधपुर, महुअवा खुर्द, भपुरवा, गौरा, राउतपुर।

कैंपियरगंज के गांव

हिरुआ, डुमरिया बाबू, कंदर खावा, लक्ष्मीपुर, बढ़या, चौक माफी, शाखी, बरघटा, नीबी, इटवा, बेलघाट बुजुर्ग, रमवापुर, नरायनपुर, रामूघाट, नैनसर, रामपुर, जरहद एवं गायघाट।

> गोरखपुर -पानीपत एक्सप्रेस वे का डीपीआर बनाने के लिए एनएचएआई ने 50 गांवों के भू राजस्व मानचित्र मांगा है। मानचित्र उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए गए हैं।
> **कृष्णा करुणेश,** जिलाधिकारी